आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम जारी, लड़कियों ने इस बार भी बाजी मारी

इस बार रिजल्ट 96.88 परसेंट रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.94 परसेंट ज्यादा है

बीकानेर/पाली, (निसं)। राजस्थान शिक्षा विभाग ने आठवीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र कक्षा 8 का परीक्षा परिणाम जारी किया। राज्य में 8वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 96.66 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.94 परसेंट ज्यादा रहा है। इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। लड़कियों का रिजल्ट 97.24 परसेंट रहा है, जबकि लड़कों का रिजल्ट 96.14 परसेंट रहा। विभिन्न कारणों से 881 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोक लिया गया है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र कक्षा आठ का परीक्षा परिणाम जारी किया।

- राजस्थान में सबसे शानदार रिजल्ट सीकर जिले का रहा, सबसे कम पास वाले स्टूडेंट्स धौलपुर के रहे
- लड़कियों का रिजल्ट 97.24 परसेंट, लड़कों का रिजल्ट 96.14 परसेंट रहा, 881 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोका

राजस्थान में सबसे शानदार रिजल्ट सीकर जिले का रहा है। जहां 98.96 परसेंट रिजल्ट रहा है। वहीं दूसरे नंबर पर दौसा जिला रहा है, जिसका 98.62 परसेंट और तीसरे नंबर पर अजमेर रहा जिसका रिजल्ट 98.17 परसेंट है। वहीं बीकानेर 18वें नंबर पर रहा है। राजस्थान में सबसे कम पास वाले स्टूडेंट्स धौलपुर के रहे, जहां 93.37 परसेंट रिजल्ट रहा है। नीचे के तीन जिलों में बारां का रिजल्ट 93.37 परसेंट और पाली का 94.17 परसेंट रहा है। शिक्षा विभाग की ओर जारी परिणाम में चार ग्रेड दिए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 52.38 प्रतिशत स्टूडेंट्स को बी ग्रेड मिला है, जबकि 24.46 परसेंट स्टूडेंट्स को सी ग्रेड मिला है। ए ग्रेड वाले स्टूडेंट्स की संख्या 17.65 परसेंट है। महज 0.17 परसेंट स्टूडेंटस को ही डी ग्रेड मिला है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पाली से ऑनलाइन जुड़कर रिजल्ट घोषित किया। वहीं शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल जयपुर से जुड़े। राज्य की सभी डाइट्स को भी पांच बजे ही ऑनलाइन रिजल्ट मिल जाएगा। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से आयोजित प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा 8) का रिजल्ट इस बार भी ग्रेडिंग सिस्टम पर जारी होगा। स्टूडेंट्स को मार्क्स के बजाय ग्रेडिंग दिया जा रहा है। रिजल्ट साइट पर देखा जा सकता है। इसके अलावा प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर भी रिजल्ट उपलब्ध रहेगा।

कक्षा-8 परीक्षा 20 मार्च से दो अप्रैल तक राज्य के समस्त जिलों में हुई। इस परीक्षा में कुल 12 लाख 64 हजार 618 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से ली गई इस परीक्षा का संचालन जिलों में डाइट्स के माध्यम से किया गया। कॉपी चैकिंग का काम भी डाइट्स स्तर पर हुआ। इसके बाद ऑनलाइन सभी के मार्क्स अपलोड किए गए। ये काम कुछ दिन पहले पूर्ण हो गया। रिजल्ट तैयार होने के बाद शिक्षा मंत्री से समय लिया गया।

आठवीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित होने के बाद पांचवीं बोर्ड का परिणाम जारी होगा। इसके लिए तारीख अभी तय नहीं हो पाई है लेकिन इसी सप्ताह में ये रिजल्ट भी आ जाएगा। दरअसल, दोनों क्लास का एक साथ रिजल्ट देने पर कम्प्यूटर सिस्टम बिगड़ जाता है। इसलिए इस बार दोनों का अलग-अलग दिन रिजल्ट जारी होगा।

फर्जी वसियत मामले मे 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

अपने ही नाना की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने का मामला

सूरजगढ़, (निसं)। अपने ही नाना की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने के मामले में तीन साल से फरार 10 हजार रूपए के ईनामी आरोपी को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

- तीन साल से फरार इनामी आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया

चिड़ावा कस्बे के टिल्ली मंदिर के समीप रहने वाले 42 वर्षीय नवनीत गुप्ता पुत्र जवाहरलाल गुप्ता समेत उसके परिवारजनों के खिलाफ डालमिया की ढाणी निवासी भागाराम सैनी व उसके पुत्र पवन कुमार ने सूरजगढ़ थाने में कूटरचित तरीके से अपने स्वर्गवासी नाना के नाम की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की। जिसके बाद पहले तो कई बार नवनीत गुप्ता को पूछताछ के लिए बुलाया गया और जिस वसियत के आधार पर वह जमीन पर दावा कर रहा था। उसकी मूल प्रति लाने के लिए कहा गया। लेकिन बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी नवनीत नहीं आया और फरार हो गया। पुलिस ने इसके बाद नवनीत पर 10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया था। सूरत से नवनीत को एसएचओ हेमराज मीणा के नेतृत्व वाली टीम ने दस्तयाब किया। बताया जा रहा है कि इस मामले में कोर्ट ने नवनीत को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा था। दो दिनों के पुलिस रिमांड पर नवनीत ने फर्जी वसियत उपलब्ध नहीं करवाई और कहा कि वह नष्ट हो गई।

इस मामले में नवनीत गुप्ता के पिता जवाहरलाल गुप्ता, भाई श्यामबिहारी गुप्ता, मां सुशीला देवी गुप्ता, मामा महेंद्र कुमार कसेरवाल, मौसी पुष्पा जालान झुंझुनूं, रंजना देवी सूरजगढ़, इंदूदेवी सिंगड़ोदिया, नानी अनुसूइया केसरवाल भी आरोपी है। इन नामों को लेकर भी नवनीत से पूछताछ की गई।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित एक थाने में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ है। तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। हालांकि अभी आरोपियों की उम्र की पुष्टि नहीं हो पाई है। पीड़िता जिले के ग्रामीण इलाके की रहने वाली है।

जानकारी के अनुसार दुष्कर्म की घटना अक्टूबर 2023 की बताई जा रही है। उस समय पीड़िता श्रीगंगानगर में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपियों के पास पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो हैं। इनके आधार पीड़िता को ब्लैकमेल भी किया गया। परिजनों को पूरे मामले की जानकारी इंस्टाग्राम पर वीडियो देखकर मिली। वीडियो देखने के बाद परिजनों ने पीड़िता से बात की तो उसने पूरी घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि पीड़िता की एक सहेली के जन्मदिन पर कैफे में दुष्कर्म की घटना हुई। मामले की जांच डीवाईएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार शिकायत के आधार पर पुलिस ने कैफे पर पहुंचकर रिपोर्ट तैयार की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभी पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवाया जाना है। इसके अलावा आरोपियों की उम्र की भी पुष्टि की जा रही है।

शिक्षा विभाग में विभिन्न संवर्गों की नियमित एवं रिव्यू डीपीसी आयोजित

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को अजमेर में विभिन्न पदों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नियमित डीपीसी के तहत प्राचार्य पद की डीपीसी वर्ष 2024-25 में 2876 कार्मिकों, प्राध्यापक (वाणिज्य) डीपीसी (वर्ष 21-22 से 24-25) में 447 कार्मिकों प्राध्यापक-शाशि पद की डीपीसी (वर्ष 23-24 से 24-25) में 49 कार्मिकों, प्राध्यापक (गृहविज्ञान/ चित्रकला / कृषि) पद की डीपीसी (वर्ष 21-22 से 24-25) में 13 कार्मिकों एवं उपजिशिअ (शाशि) पद की डीपीसी वर्ष 2024-25 में 8 कार्मिकों, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 पद हेतु 19 कार्मिकों एवं राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष पद हेतु 1 कार्मिक का पदोन्नति हेतु चयन किया गया।

विभिन्न संवर्गों के भिन्न-भिन्न वर्षों की रिव्यू डीपीसी यथा व्याख्याता से प्रधानाचार्य 70 पद, उप-प्राचार्य से प्राचार्य 1 हजार 278 पद, व्याख्याता से उप-प्राचार्य 25 पद, प्राध्यापक-शाशि 4 पद एवं विभिन्न वर्षों की प्राध्यापक-प्रधानाध्यापक रिव्यू डीपीसी में 17 पदों पर कार्मिकों का पदौन्नति हेतु चयन किया गया है। उक्त नियमित एवं रिव्यु डीपीसी के आयोजन से विभाग द्वारा प्राचार्य-4 हजार 224, उप-प्राचार्य-25, प्रधानाध्यापक-4, उप जिशिअ शाशि-8, राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष-1, प्राध्यापक विभिन्न विषय-526, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 के 19 पदों पर कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया। इसी के साथ सोमवार को ही समस्त 9 मंडलों के वरिष्ठ शा. शि. पद हेतु आयोजित नियमित डीपीसी वर्ष 2023-24 व 2024-25 हेतु 866 एवं पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-2 पद हेतु 286 कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया।

समग्र रूप से राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशिष मोदी, शासन कार्मिक विभाग से मनोनीत सदस्यों एवं संयुक्त निदेशक विभिन्न मण्डलों द्वारा सम्पन्न डीपीसी द्वारा विभाग में प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्राध्यापक (विभिन्न विषय), उप जिशिअ (शाशि), प्राध्यापक (शाशि), वशाशि अध्यापक, राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 सहित कुल 5959 कार्मिक पदोन्नति से लाभान्वित हुए हैं। यह पदोन्नतियां राज्य की शिक्षा व्यवस्था में रिक्त पदों को भरने एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए राज्य सरकार की प्राथमिकता की दिशा में महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की शिक्षण नेतृत्व में समावेशिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डीपीसी में नवपदोन्नत कार्मिकों को बधाई दी है और उनसे राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान हेतु विशिष्ट प्रयास किये जाने की अपेक्षा प्रकट की है।

बीसलपुर बांध की बनास नदी से अवैध रूप से बजरी निकालने का सिलसिला जारी

देवली, (निसं)। पिछले कई समय से बीसलपुर बांध में से गाद निकालने की आड़ में अवैध रूप से बजरी निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहते हुए कार्य से संबंधित सरकारी अधिकारियों को यह साफ तौर पर दिखाई पड़ रहा है लेकिन इसके विरुद्ध खनिज विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

गाद निकालने वाली कंपनी के आदमी गाद निकालने की आड़ में बांध के तल से भारी मात्रा में अवैध तौर पर बजरी निकाल रहे हैं। बांध के पानी से अवैध तौर पर बजरी निकालने जैसे इस कार्य के विरुद्ध जिम्मेदारों द्वारा नाम मात्र की कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। इस मामले की जानकारी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के जरिए समय-समय पर सरकार और खनिज विभाग के जिम्मेदारों को प्राप्त होती चली आ रही है, लेकिन फिर भी अवैध तौर पर पानी से बजरी निकालने के कार्य पर अंकुश नहीं लग रहा है। इसी के साथ यहां बनास नदी किनारे कि खाली भूमि पर हजारों टन, बजरी के स्टॉक पहाड़ों के रूप में बने हुए बड़े-बड़े वाहनों में अवैध बजरी भर रहे है।

बीसलपुर बांध के पानी में बड़े-बड़े वाटर पंप लगाकर अवैध रूप से बजरी निकालने का कार्य युद्ध स्तर पर हो रहा है।

- ग्रामीणों का आरोप है कि गाद निकालने की आड़ में अवैध रूप से बजरी निकालने की जानकारी होने पर भी संबंधित अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं

इस मामले पर उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य से संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों कि मिलीभगत से खुलेआम बड़ी भारी मशीनों के इस्तेमाल से, बीसलपुर बांध के जल भराव क्षेत्र से अवैध तौर पर बजरी निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों देवली उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध के जल भराव क्षेत्र से गाद निकाले जाने का कार्य, बड़ी-बड़ी मोटर बोट मशीनों के जरिए युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इसी के बीच सोमवार को फिर से मामला यह सामने आया कि बीसलपुर बांध के गोल पहाड़ी और गागुतला जल भराव क्षेत्र से गाद निकालने की आड़ में पानी से वाटर पंप के जरिए अवैध तौर पर हजारों टन बजरी प्रतिदिन निकाली जा रही है, तो वहीं यहां से बजरी निकालकर कासीर गांव के खेतों में अवैध स्टॉक किया जा रहा है। अवैध बजरी का स्टॉक करने के लिए वाटर पंप के जरिए बड़ी-बड़ी मोटर बोट में बजरी भरकर नदी किनारे स्थल पर पहुंचा रहे है। ऐसे मे उक्त स्थान पर बड़े पैमाने में स्टॉक किए जा रहे हैं हैं। यह जानकारी उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों से एक के बाद एक लगातार मिली है। ऐसे हालातों पर क्षेत्रवासियों का मानना है कि उक्त हालातों की जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को बखूबी प्राप्त है। इतना ही नहीं प्रतिदिन यहां अवैध तोर से निकाली जा रही बनास बजरी को दर्जनों डंपरों में भरकर अन्य स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र एवं केंचमेंट एरिया तक बनास नदी के तल से गाद (कीचड़) को बाहर निकालने का कार्य एनजी गदिया नामक कम्पनी कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र वासियों का आरोप यह भी है कि कंपनी के कर्मचारी पानी से गाद निकालने के साथ-साथ भारी मात्रा में बजरी भी निकाल रहे हैं। जानकारी के अनुसार कासीर गांव का क्षेत्र देवली पुलिस थाना के अधिकार में आता है।

बिहारीजी मंदिर का पूर्व पुजारी और भाई गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने बिहारीजी मंदिर के पूर्व पुजारी और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। 23 मई को बिहारीजी मंदिर परिसर का वीडियो सामने आया था, जिसमें मंदिर कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे। पुजारी का छोटे भाई भी वीडियो में डांस करते दिखाई दे रहा था। वहीं पास में पुजारी भी खड़ा हुआ था।

- 23 मई को मंदिर परिसर का वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे, पुजारी का छोटा भाई भी डांस करते दिखाई दे रहा था, पास में पुजारी भी खड़ा हुआ था

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 23 मई को एक वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ लोग मंदिर परिसर में फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद देवस्थान विभाग ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई थी। वीडियो की जांच करने पर मंदिर के पुजारी मनोज भारद्वाज और उसके भाई कृष्ण माधव की पहचान कर ली थी। जिसके बाद आज दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि बिहारीजी मंदिर के पूर्व पुजारी मनोज भारद्वाज के भाई ने मंदिर के नाम से एक समिति बनाई हुई है। उसकी भी जांच की जाएगी। साथ ही यह पता किया जाएगा कि, वह कब रजिस्टर्ड की गई थी, किसने दान किया और वह दान कहां गया। फिलहाल पूर्व पुजारी और उसके भाई का मेडिकल करवाया गया है।

ग्रामीणों ने तांत्रिक को रस्सियों और चेन से बांधा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ग्रामीणों ने एक तांत्रिक को रस्सियों और चेन से बांध दिया। मामला मांडल थाना क्षेत्र के मालाखेड़ा गांव का है। जानकारी के मुताबिक, तांत्रिक दिलखुश सुथार जो लाडपुरा मांडलगढ़ क्षेत्र का रहने वाला है, खुद को बगड़ावत बोलने वाला बताता है। उसने बद्रीलाल माली के घर सुख-शांति लाने के बहाने पूजा-पाठ कराया और इसी दौरान सोने की ज्वेलरी गायब कर दी। ग्रामीणों को जब तांत्रिक पर शक हुआ, तो उन्होंने योजना बनाकर उसे पकड़ा। पूछताछ में तांत्रिक ने ज्वेलरी चोरी करने और अपने साथी को बेचने के लिए देने की बात कबूली। हैरानी की बात ये रही कि इस पूरे मामले की जानकारी पीड़ित परिवार ने पहले ही मीडियाकर्मी को दे दी थी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाय इसे आपसी समझौते से निपटा दिया। अब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है।

वृद्ध महिला से दस लाख के जेवर ठगने वाला भोपा गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित जाजीवाल गहलोता गांव में एक महिला को भोपे ने इलाज के नाम पर ठगी करते हुए जेवर नगदी हड़प लिए थे। महिला को अपने दिव्यांग पुत्रवधु और पोता होने की आस में भोपे का सहारा लिया था। छह माह में भोपे ने दस लाख से ज्यादा के जेवरात और रूपए ऐंठ लिए थे। मामला हाल ही में दर्ज हुआ था। पुलिस ने अब कार्रवाई की और आरोपी भोपे को गिरफ्तार किए जाने के साथ सोने के आभूषणों को बरामद कर लिया। रूपयों की बरामदगी नहीं हो पाई।

- पोता होने और दिव्यांग पुत्रवधु के इलाज के नाम पर गहने और रूपए ठगे थे

थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि जाजीवाल गहलोता की रहने वाली मंजूदेवी पत्नी ओमप्रकाश दर्जी के साथ यह ठगी हुई थी। उसके अनुसार उसकी पुत्रवधु दिव्यांग है और उसके कोई संतान नहीं है। संतान की चाह और पुत्रवधु के लिए इलाज के लिए वह एक भोपे करवड़ के पप्पूराम राव के संपर्क में आई अपनी पीड़ा को बताया। तब भोपे ने इलाज के नाम पर उसके घर आना जाना शुरू कर दिया फिर नगदी और जेवरात ऐंठने लग गया। काफी समय बाद भी पुत्रवधु के कोई फर्क नहीं पड़ा और उसके संतान पोता की चाह भी पूरी नहीं हो पाई थी। छह माह के दरमियान भोपे पप्पूराम राव ने उससे 10-15 तोला सोने की जेवरात और नगदी हड़प कर ली। वापिस मांगने पर आनाकानी करने लगा। आभूषण नहीं लौटाने पर पीड़िता मंजूदेवी ने केस दर्ज करवाया।

थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि प्रकरण में जांच के बाद आरोपी करवड़ के नगरिया निवासी पप्पूराम राव पुत्र हरचंद राव को गिरफ्तार कर लिया गया। उससे काफी मात्रा में आभूषण जब्त किए गए है।

बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर में पाक के नापाक इरादों को शिकस्त दी : आईजी गर्ग

जोधपुर, (कासं)। पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के मंसूबों को नाकाम किया। सीमा पार से वेस्टर्न बॉर्डर की तरफ के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर इत्यादि सीमावर्ती जिलों में 413 ड्रोन दागी गई थी। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था। यह जानकारी राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एमएल गर्ग ने प्रेसवार्ता में दी।

- राज. फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एमएल गर्ग ने प्रेसवार्ता कर ऑपरेशन सिंदूर में सी.सु. बल की परिचालन क्षमता, खुफिया समन्वय और बल के जवानों के साहस आदि के बारे में जानकारी दी

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में सीमा सुरक्षा बल की परिचालन क्षमता, खुफिया समन्वय और बल के जवानों के अदम्य साहस आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने आपरेशन सिन्दूर मे थल सेना और वायु सेना के साथ समन्वय कर अपना जलवा दिखाया और पाक के नापाक इरादों को शिकस्त दी। उन्होंने 23 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए नृशंस आतंकवाद को पड़ोसी देश द्वारा की गई एक कायराना हरकत बताया तथा कहा कि इसी के जवाब में भारत सरकार द्वारा 7-8 मई, 2025 की मध्यरात्रि को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया गया, जिसमें सीमा सुरक्षा बल ने भी अपना बखूबी योगदान निभाया। पहलगाम नरसंहार के पश्चात महानिदेशक सीमा सुरक्षा ने पश्चिमी सीमा पर संभावित खतरे का सटीक आंकलन कर बीएसएफ को पूरी तरह से तैयार रहने के लिए निर्देशित किया। महानिदेशक सीसुब ने महानिरीक्षक (ऑपरेशन) के साथ बीकानेर सेक्टर का दौरा किया व सीमा पर जवानों के बीच जाकर हालात की जानकारी ली। सभी सेक्टरों एवं वाहिनीयों को अंतर्राष्ट्रीय सीमा एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में उच्चतम स्तर की तैयारी, प्रतिक्रिया के लिए बल की ऑपरेशनल ड्युटियों के लिए सतर्कता तथा मुस्तैदी का जायजा लिया। साथ ही सीमा सुरक्षा बल के खुफिया तंत्र को और मजबूत कर भारतीय सेना एवं एयर फोर्स के साथ समन्वय स्थापित कर ऑपरेशनल सूचनाओं के आदान-प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया।

आईजी गर्ग ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में लगातार ड्रोन गतिविधियां की गई। हमारी एयरस्पेस की सुरक्षा को चुनौती देने के प्रयासों को राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल ने भारतीय सेना व एयर फोर्स के साथ मिलकर तत्परता से विफल किया।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारतीय सेना, वायु सेना व राजस्थान पुलिस के साथ अद्वितीय समन्वय और तालमेल बनाए रखा। राजस्थान फ्रंटियर के संपूर्ण संचालन क्षेत्र श्रीगंगानगर से लेकर जैसलमेर तक बीएसएफ ने देश की सेनाओं के साथ आवश्यक और रणनीतिक सूचनाओं का त्वरित एवं निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित किया। इसी दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। इसके अलावा सीमा के लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना व उन्हें हर परिस्थिति के लिए तैयार रखा गया।

आईजी गर्ग ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान हमारी महिला प्रहरियों ने 7 दिन सीमा पर 24 घटे तैनात रहकर बेहतरीन कार्य किया और सीमा पर पूरी मुस्तैदी से डटी रही। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में चलाए जा रहे रणनीतिक अभियानों को लेकर पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर झूठा और भ्रामक प्रचार फैलाया जा रहा था। इन झूठे प्रचारों का मुकाबला करने के लिए बीएसएफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से सत्य और तथ्य आधारित जानकारी साझा करना शुरू किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर सफलता के बाद भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में जैसलमेर में अग्रिम सीमा चौकियों का दौरा किया।

अधिकारिक दौरे के दौरान जैसलमेर बॉर्डर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएसएफ के सहायक कमांडेंट पी.के. मिश्रा व अन्य जवानों को को कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बीएसएफ की उत्कृष्टता और समर्पण का प्रतीक है।

महानिरीक्षक गर्ग ने बताया कि बीएसएफ देश की प्रथम रक्षा पंक्ति है तथा हम हर चुनौती को दुश्मन की आंखों में झाकते हुए स्वीकार करते हैं और सीमाओं पर चौकस रहते हैं। यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सुरक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दें। भारत की सरहद को कोई छू नहीं सकता क्योंकि इसकी निगहबान है हम सब की आंखें। सीमा पार से वेस्टर्न बॉर्डर की तरफ के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर इत्यादि सीमावर्ती जिलों में कुल 413 ड्रोन दागी गई थी। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी 22 वें अलंकरण समारोह के दौरान सीमा सुरक्षा बल की अभूतपूर्व साहसिकता, समर्पण और पेशेवर प्रतिबद्धता की सराहना की।

बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़े

मुंह पर कपड़ा लपेटकर आये बदमाशों ने भरतपुर में वारदात की

भरतपुर, (निसं)। देर रात्रि को मथुरा गेट थाना क्षेत्र में बदमाशों ने घरों के बाहर खड़ी कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। सीसीटीवी फुटेज में दो मोटरसाइकिल पर सवार चार-पांच अज्ञात व्यक्ति मुंह पर कपड़ा लपेटकर पत्थर मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। शहर में रात के समय होने वाली गुंडागर्दी और अन्य घटनाओं से आम जन में भय है।

जवाहर नगर में डी ब्लॉक निवासी विनोद कुमार शर्मा पुत्र मुरारीलाल शर्मा एवं सुमित शर्मा ने मथुरा गेट थाना में इस सम्बध में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है, लेकिन पुलिस ने अभी कोई कार्यवाही नहीं की है। इसी सम्बंध में जवाहर नगर निवासी सुमनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी दो गाड़ी घर के बाहर खड़ी रहती है। उनमें रात में एक गाड़ी में पत्थर मारकर शीशा तोड़ दिया गया तथा दूसरी गाड़ी में पत्थर मारा तो वह शीशे में नहीं लग कर गाड़ी की बॉडी में लगा, जिस से गाड़ी में नुकसान हो गया। सुमनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं पूर्व में कभी नहीं हुई। इलाके में पुलिस गश्त का कोई प्रबंध नहीं है तथा रोड लाइटें भी ज्यादातर बंद रहती है जिससे असामाजिक तत्व घटनाएं करते रहते हैं।

विश्व प्रिय शास्त्री पार्क में भी असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है तथा आए दिन मोटरसाइकिल स्कूटर चोरी की घटनाएं होती रहती है जिनका पुलिस कोई अता पता नहीं लगा पाती तथा महिलाओं के साथ में कई बार छेड़छाड़ की घटनाएं हो चुकी है। गुप्ता ने मांग की है कि जवाहर नगर इलाके में तथा शहर के अन्य सभी इलाकों में भी रात्रि कालीन गश्त की पुख्ता व्यवस्था की जाए जिससे इस प्रकार की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। तथा गत रात्रि में हुई शीशे तोड़ने की घटना को चौराहों पर लगे सीसीटीवी में देखकर अपराधियों की पहचान कर उन्हें सख्त सजा करवाई जाने की मांग की है।